शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख बाँध

काव्य मंजरी

शैक्षिक कविताओं का संकलन

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

प्रमुख बाँध

01

रिहन्द बाँध

बाँध से जमा किया गया जल,
सिंचाई जल-आपूर्ति करता है।
पेयजल, नौवहन आदि में सहायक,
परियोजनाओं में सहयोग करता है।।
रिहन्द परियोजना भारत की,
प्रमुख नदी-घाटी परियोजना है।
रिहन्द जलाशय पर सोनभद्र के,
पीपरी के पहाड़ों के बीच यह बाँध बना है।।
यह सोनभद्र जिले के रेनूकोट,
शक्ति नगर मार्ग पर पीपरी पर स्थित है।
रिहन्द नदी पर बना हुआ है,
सोन नदी भी इसमें जुड़ती है।।
रिहन्द बाँध तीस किलो मीटर लम्बा,
और पन्द्रह किलो मीटर चौड़ा है।
यह तीस लाख किलोवाट विद्युत,
उत्पन्न करने की क्षमता रखता है।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
संवि० पूर्व मा० विद्यालय- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

प्रमुख बाँध

02

भाखड़ा बाँध

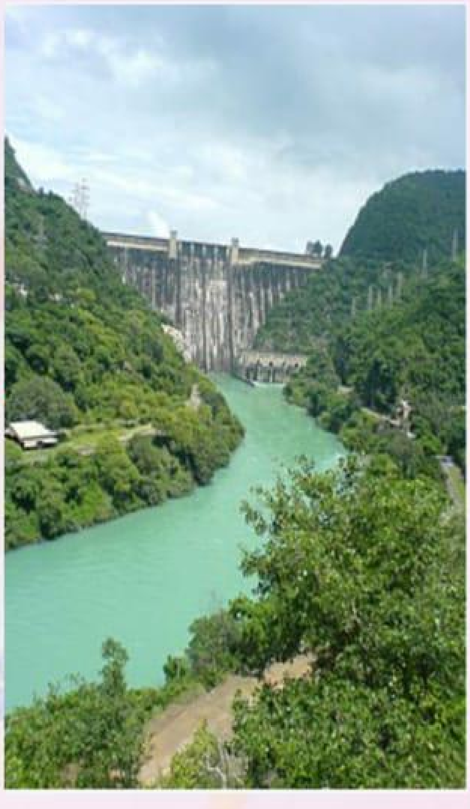

बाँध एक अवरोध है जो,
जल को बहने से रोकता है।
बाढ़ को आने से भी रोके,
जलाशय बनाने में मदद करता है।।

भाँखड़ा बाँध का निर्माण कार्य,
17 नवम्बर 1955 को शुरु हुआ।
पं० जवाहरलाल नेहरू की उपस्थिति में,
कंक्रीट निर्माण कार्य चालू हुआ।।

उद्देश्य था जलविद्युत उत्पादन, सिंचाई,
यह सतलज नदी पर बना हुआ।
पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान,
हिमाचल प्रदेश राज्यों को लाभ हुआ।।

यह भारत की सबसे बड़ी बहुउद्देश्यीय,
649 किलो मीटर की नदी घाटी परियोजना है।
राजस्थान, पंजाब, हरियाणा की हिस्सेदारी,
अमेरिकी 'हार्वे स्लोकेन' के निर्देशन में बना है।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर- 1
बागपत, बागपत

प्रमुख बाँध

03

नागार्जुन सागर बाँध

नागार्जुन सागर बाँध,
है नदी घाटी परियोजना।
भारत के तेलंगाना में स्थित,
एक प्रमुख नदी घाटी परियोजना।।

हुआ इसका नामकरण,
बिद्वान नागार्जुन जी के नाम पर।
बनाने की परिकल्पना की गई,
१९०३ में ब्रिटिश राज के समय पर।।

हैदराबाद से 150 किमी दूर,
कृष्णा नदी पर है स्थित।
नागार्जुन सागर बाँध
१९६६ में हुआ था निर्मित।।

इस बाँध से निर्मित,
नागार्जुन सागर झील।
जो है दुनिया की तीसरी,
सब से बड़ी मानव निर्मित झील।।

रचना

हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

प्रमुख बाँध

गाँधी सागर बाँध

नदी नहर का बहता पानी,
जो रोके वह बाँध है।
चम्बल नदी पर बना हुआ,
गाँधी सागर बाँध है।।

बना हुआ इस बाँध पर,
एक बड़ा पावर स्टेशन।
मध्यप्रदेश व राजस्थान में,
बिजली पहुँचे इससे क्षण-क्षण।।

सन उन्नीस सौ चउअन में,
नींव इसकी रखी गई।
पर उन्नीस सौ सत्तावन में,
बिजली उत्पत्ति शुरू हुई।।

चम्बल नदी के चार प्रमुख,
बाँधों में से एक बाँध है।
मंदसौर जिले में स्थित,
यह गाँधी सागर बाँध है।।

रचना- पूनम गुप्ता "कलिका"
(स०अ०) प्रा० वि० धनीपुर
धनीपुर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

प्रमुख बाँध

05

तुंगभद्रा बाँध

एक जगह पर प्रचुर मात्रा में,
जब जल को रोका जाता है।
करते हैं प्रयोग कई उद्देश्यों से,
जिनको बाँध कहा जाता है ।।

तुंगभद्रा नदी पर यह निर्मित है,
जिसे तुंगभद्रा बाँध कहते हैं।
कर्नाटक के बलारी जिले में स्थित है,
जिसे पम्पा सागर बाँध भी कहते हैं ।।

नदी घाटी परियोजना है भारत की,
है सहायक नदी कृष्णा नदी की।
संयुक्त परियोजना कर्नाटक,आन्ध्रप्रदेश की,
पूर्ति होती सिंचाई, विद्युत, बाढ़ नियन्त्रण की ।।

निर्माण हुआ सन् उन्नीस सौ उनचास में,
उपयोग में आया सन् उन्नीस सौ तिरपन में।
मल्ल पुरम् में बना 49.38 मी० ऊँचा है,
72 मेगावाट के दो पावर हाउस इसकी शोभा है ।।

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

प्रमुख बाँध

06

नांगल बाँध

बहुत ऊर्जा ज्यादा होती,
देखो बड़े बांध की।
जरूरत होती इसलिए,
साथ में छोटे बाँध की।।

पंजाब के नांगल में,
भाखड़ा से 13 कि०मी० दूर बसा।
सतलज नदी जो उत्तर की,
इसी पर देखो यह बाँध बना।।

95 फ़ीट ऊंचा मनोरम दृश्य बनाता,
पंजाब राज्य में दर्शकों को लुभाता।।
आनन्दपुर साहिब हाइडल चैनल,
बिजली और सिंचाई के काम है आता।।

रचना-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्रा० वि० मणिपुर
ऐरायां, फतेहपुर

प्रमुख बाँध

07

रणजीत सागर बाँध

रावी नदी पर बना हुआ है,
रणजीत सागर बाँध,
पठान कोट, पंजाब में स्थित,
नाम दूसरा थीन बाँध ।।

1982 में निर्माण प्रारंभ,
पूर्ण हुआ था 1999 में ।
इसका नाम लिया जाता है,
प्रमुख नदी घाटी परियोजनाओं में।।

इससे लाभान्वित होता पंजाब,
और हिमांचल, जम्मू- कश्मीर ।
चार विद्युत इकाईयाँ लगी हैं,
जिनकी क्षमता 150 मेगावाट ।।

रचना-
उषा देवी (इ०प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय तलकापुर
हथगाम, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

प्रमुख बाँध

08

कोलडैम

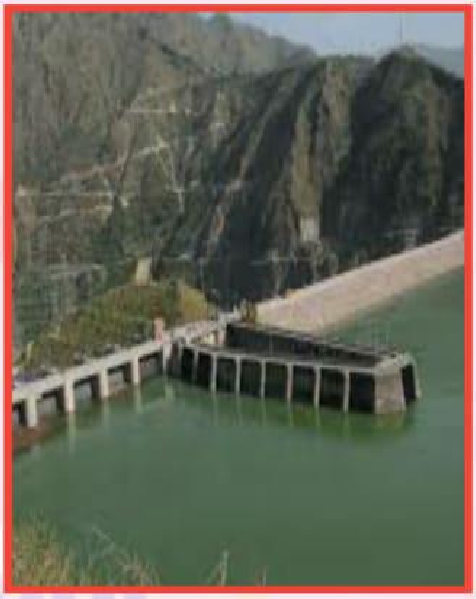

एनटीपीसी की उड़ान,
बनाया सतलज नदी पर।
कोलडैम बहुत विशाल,
हिमाचल प्रदेश इसका स्थान।।

बिलासपुर और मंडी जिले,
की सीमा है वास्तविक स्थान।
बिजली उत्पादन इसका काम,
नींव रखें बाजपेई जी श्री मान।।

हिमाचल प्रदेश दिल्ली और,
यूपी आदि होते इससे गतिमान।
पर्यटकों का पसंदीदा स्थान,
इंजीनियरिंग का चमत्कार महान।।

रचना-
गुलफ्शाँ (स०अ०)
प्रा.वि.केवटरा (बेंता)
देवमई, फतेहपुर

प्रमुख बाँध

09

निजाम सागर बाँध

निज़ाम सागर बाँध जिला,
निजामाबाद में आता है।
यह बाँध पर्यटन स्थल,
लोगों के मन को भाता है।।

निजाम बाँध के ऊपर,
चौदह, फिट चौड़ी सड़क बनी।
सड़क के ऊपर चारों तरफ,
दृश्य से इसकी सुन्दरता बढ़ी।।

यह गोदावरी नदी की सहायक,
नदी मंजीरा में बना हुआ।
यह आचमपेट और बंजापल्ले,
दो जिलों के बीच खड़ा हुआ।।

इसके निर्माण का उद्देश्य निजामाबाद,
को पानी उपलब्ध कराना था।
सिंचाई के साथ जल विद्युत,
का उत्पादन भी बढ़ाना था।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
पू० मा० वि० भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

प्रमुख बाँध

10

कोसी बाँध

बिहार का शोक कहलाती,
कोसी नदी विशाल ।
हिमालय से उद्गम इसका,
बहती बिहार, नेपाल।।

नदी की विध्वंसता रोकने,
बाँध किया गया निर्मित।
५२ द्वार वाले इस बाँध को,
चाचा नेहरू ने किया समर्पित।।

भारत नेपाल सीमा के मध्य,
फैला विशाल यह बाँध।
अपार जलधारा रोकने में अक्षम,
कई बार टूटा यह बाँध।।

नौ लाख क्यूसेक क्षमता है,
उत्तरी बिहार क्षेत्र है सिंचित।
भारतीय अभियंता अभिभावक,
१९६२ में बाँध हुआ ये निर्मित।।

रचना -
सीमा मिश्रा (स०अ०)
कंपोजिट विद्यालय काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

प्रमुख बाँध

11

बरुआ सागर बाँध

एनटीपीसी की उड़ान,
बनाया सतलज नदी पर।
कोलडैम बहुत विशाल,
हिमाचल प्रदेश इसका स्थान।।

जराई मठ का मंदिर और किले
बने हैं पास बरवा सागर बाँध।
हम सब के ज्ञान को है बढ़ाता ,
मानचित्र में स्थान दिलाता यह बाँध।।

बरुआ सागर शहर है झांसी में,
बेतवा नदी के किनारे बना बरुआ सागर बाँध।
बिजली बनती यहाँ रक्षा करता बाढ़ से,
उत्तर प्रदेश की शान बढ़ाता बरुआ सागर बाँध।।

राजा उदित सिंह ने बरुआसागर में,
निर्माण कराया बरुआ सागर झील का।
पर बुंदेलखंड की आन बान में,
चार चांद लगाता बरूआ सागर बाँध।।

रचना -
साधना (प्र०अ०)
कंपोजिट स्कूल ढोढ़ियाही
तेलियानी, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

प्रमुख बाँध

12

पंचेत बाँध

जल को किए कुशल प्रबंधित,
झारखण्ड धनबाद में निर्मित।
उन्नीस सौ उनसठ में उन्मोचित,
नाम पंचेत बाँध एक शोभित।।

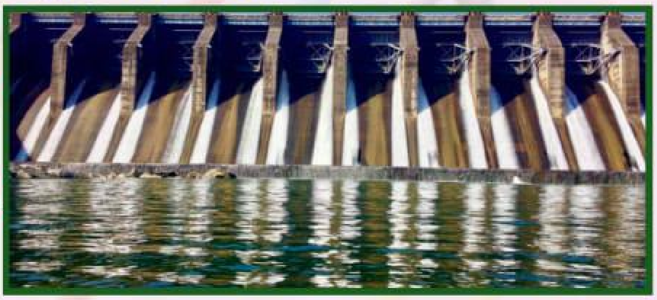

दृश्य मनोरम और आकर्षित,
झील रूप में हो आभासित।
नौका विहार करके आनंदित,
सैलानी होते फिर मोहित।।

नील क्रांति को करे ये विस्तृत,
पन-विद्युत होती उत्पादित।
करता यह विकास को सूचित,
पुनः सृजन में सदा समर्पित।।

बाढ़ों को ये करे नियंत्रित,
दामोदर हो गई सम्मानित।
कृषि भूमि होती है सिंचित,
सर्व जीव-जीवन सम्पोषित।।

रचना
अर्चना गुप्ता (स.अ.)
उ.प्रा.विद्यालय- हाफिजपुर हरकरन
शि. क्षे.- खजुहा, जनपद- फतेहपुर।

प्रमुख बाँध

13

फरक्का बाँध

भारत के मनहर से राज्य,
मध्य प्रदेश में बहने वाली।
नदी सहायक गंगा की है,
हुगली बनकर जाने वाली।।

पश्चिम बंगाल राज्य में बहती,
बाँध फरक्का है आबाद।
बाइस सौ चालीस मीटर लम्बा,
बना स्थान मुर्शिदाबाद।।

सन् उन्नीस सौ बहत्तर में,
बनकर था तैयार हुआ।
एक सौ छप्पन करोड़ की,
लागत से निर्माण हुआ।।

पानी के वितरण को लेकर,
हुआ विवाद दो देश में।
उन्नीस सौ छियासी में गंगाजल,
समझौता हुआ भारत-बांग्लादेश में।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
पू०मा० वि० स्योढ़ा,
बिसवाँ, सीतापुर

प्रमुख बाँध

गंगापुर बाँध

जल प्रवाह का अवरोध,
बाँध जल बहने से देता रोक।
संचित जल काम है आता,
सिंचाई व पेयजल आपूर्ति को जाता।।

दुनिया में भारत का तीसरा स्थान,
बाँधों में गंगापुर बाँध ।
गोदावरी नदी पर बना हुआ है,
महाराष्ट्र नासिक में स्थित बाँध।।

पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र,
सिंचाई पेयजल का प्रमुख केंद्र।।
बाँध में होता विद्युत निर्माण,
पूरे राज्य के आता काम।।

रचना-
सुमन पांडेय (प्र०अ०)
प्रा०वि०टिकरी मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

प्रमुख बाँध

15

उज्जानी बाँध

आओ हम परिचित कराएँ
उज्जानी बाँध का ज्ञान कराएँ।
सोलापुर डिस्ट्रिक्ट में पड़ता,
महाराष्ट्र राज्य में यह आता ।।

56 मीटर ऊँचाई वाला,
1980 जून को यह खुला ।।
337 स्क्वायर किमी० क्षेत्रफल वाला,
1969 में निर्माण कार्य शुरू हुआ ।।

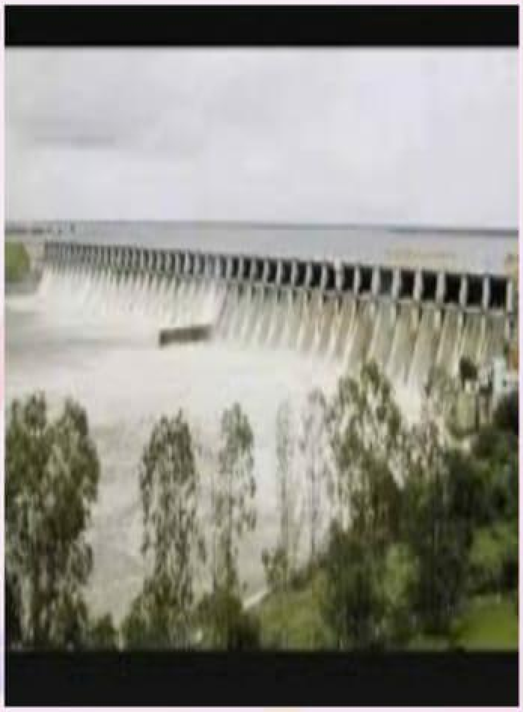

नदियों में है एक कृष्णा नदी,
जिसकी सहायक भीमा नदी ।
जिसमें स्थित उज्जानी बाँध,
इसे भी कहते भीमा बाँध ।।

है इसका बड़ा जलाशय,
मिलते कई पारा और रसायन।
बहुत लाभदायक है यह सबको,
सिंचाई और मछली पालन को ।।

रचना- किरन (स०अ०)
प्रा०वि० बिजौली
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

प्रमुख बाँध

16

हीराकुंड बाँध

भारत के ओडिशा राज्य में है यह स्थित,
संबलपुर से 15 किलो मीटर दूर अवस्थित।
लम्बे बाँधो में से एक है यह बाँध,
1957 में निर्मित हुआ था यह बाँध।।

बाईं ओर लामडूंगरी पहाड़ी से,
चंदीली पहाड़ी तक है यह बाँध।
गाँधी मीनार और नेहरू मीनार,
दोनों अवलोकन मीनार से घिरा है यह बाँध।।

4801 किलो मीटर कुल लम्बा है यह बाँध,
810 करोड़ घन मी० जल संचय करता है यह बाँध।
बाढ़ नियंत्रण और विद्युत उत्पादन का,
उदेश्य लेकर बढ़ता है यह बाँध।।

रचना- आकांक्षा मिश्रा (स०अ०)
प्रा० वि० सिकंदरपुर
सुरसा, हरदोई

प्रमुख बाँध

17

जवाहर सागर बाँध

बाँध हमारे सबके प्यारे,
जो रोके पानी के फव्वारे।
प्रकृति में बसा यह बाँध,
मनोरम दृश्य दर्शाता बाँध।।

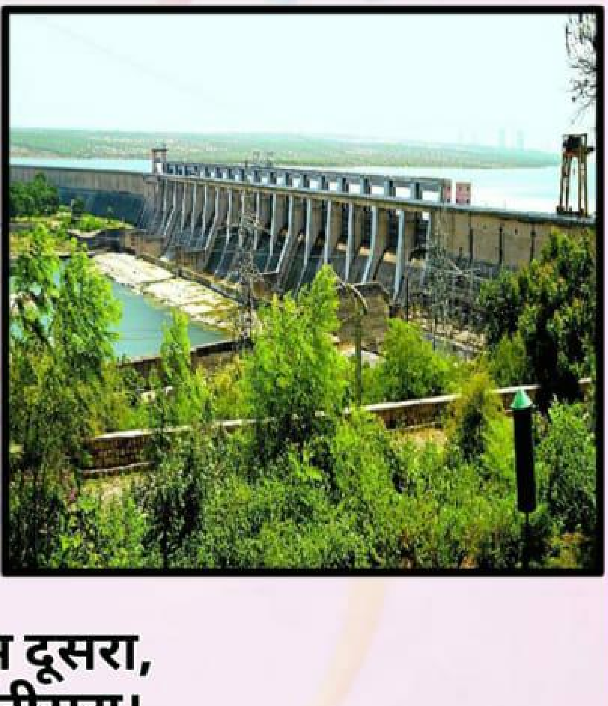

राजस्थान की धरती पर,
बना बाँध जो चम्बल पर।
करता बिजली की आपूर्ति है,
वह बाँध जवाहर सागर है।।

कोटा के पोराबस में,
रखी नींव चाचा नेहरू ने।
बाढ़ नियंत्रित करता है,
वह बाँध जवाहर सागर है।।

"कोटा" है इसका नाम दूसरा,
चंबल पर है यह बाँध तीसरा।
जहाँ जल-जीव राग सुनाते है,
वह बाधं जवाहर सागर है।।

रचना- सुनीता यादव (स०अ०)
कंपोज़िट विद्यालय भिठिया चिचड़ी
गिलौला, श्रावस्ती

प्रमुख बाँध

18

शिव समुंद्रम बाँध

शिव समुन्द्रम बाँध कर्नाटक के मैसूर में,
छोटा सा द्वीप मध्य स्थित कावेरी शाखों में।
गगनचक्की और वराचक्की नामक दो झरने,
लगी प्रकृति की सुरम्य छटा संवरने।।

इसकी तीन मील लम्बाई व पौन मील चौड़ाई,
56 किलोमीटर उत्तर पूर्व में, कावेरी नदी ने पायी।
कावेरी नदी दो शाखाओं में बंटकर एक हो जाती,
आदिरंगम, शिवसमुन्द्रम तथा श्रीरंगम कहलाती।।

शिव और विष्णु के दो विशालकाय मन्दिर,
3 मील दूर चम्पकारण्य में श्रीनिवास मन्दिर।
यहीं है भारत की पहली विद्युत परियोजना,
कृष्णदेव राय ने दुर्ग जीतने की बनायी थी योजना।।

भारतीय इतिहास में हुई,
दक्षिण राज्यों की विजय।
राजाओं ने दिया था अपने,
अपूर्व रण कौशल का परिचय।।

रचना-
चंचल उपाध्याय (प्र०अ०)
प्रा० वि० कोट
बिसौली, बदायूँ

प्रमुख बाँध

19

बाणसागर बाँध

मध्य प्रदेश की बाण सागर बाँध परियोजना,
यह है अन्तर्राष्ट्रीय बहुउद्देशीय परियोजना।
मध्य प्रदेश के सोन नदी पर बाँध यह बनाया है,
ईंट और मिट्टी से पक्का ऊँचा सजाया है।।

बाण सागर डैम अधिकारिक है नाम इसका,
18648 किलोमीटर है आवाह क्षेत्र इसका।
1978 में हुआ कार्य आरम्भ इसका,
2006 में हुआ पूर्ण कार्य इसका।।

कृषि में होगी भरपूर इससे सिंचाई,
435 मेगा वाट की होगी विद्युत बनायी।
67 मीटर है इसकी ऊँचाई,
व 1020 मीटर है इसकी लम्बाई।।

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और,
बिहार का यह उद्यम संयुक्त है।
भारत के मध्य प्रदेश राज्य के,
शहडोल जिले में अवस्थित है।।

रचना
नीतू कुमारी (स०अ०)
प्रा० वि० सादातपुर नाचनी
इस्लामनगर, बदायूँ

प्रमुख बाँध

20

तिलैया डैम

बरकार नदी पर तिलैया डैम,
पिकनिक का बना एक धाम।
दामोदर घाटी निगम से निर्मित,
देख नज़ारा सभी अचंभित।।

झारखंड में बसा हुआ है,
जनजीवन आसान हुआ है।
चार मेगावाट बिजली उत्पादन,
विद्युत का यह पहला साधन।।

1200फीट लम्बा,9फीट चौड़ा,
सुंदर और आर्दश झील ने घेरा।
हाइड्रो इलैक्ट्रिक पावर स्टेशन,
पर्यटक आकर करते हैं दर्शन।।

बाढ़ नियंत्रण इसका उद्देश्य,
पास में पहाड़ियाँ व जलाशय।
1953 में हुआ इसका निर्माण,
जंगल से घिरा है यह स्थान।।

रचना
फ़राह हारून"वफ़ा" (प्र०अ०)
प्रा० वि० मढ़ियाभांसी
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

प्रमुख बाँध

21

पेरियार बाँध

30 अप्रैल 1969 में बना ईड्डुक्की बाँध।
केरलवासियों के लिए बना वरदान।।

स्थित है नदी पेरियार की चट्टानों में।
एशिया का सबसे ऊँचे चाप बाँधों में।।

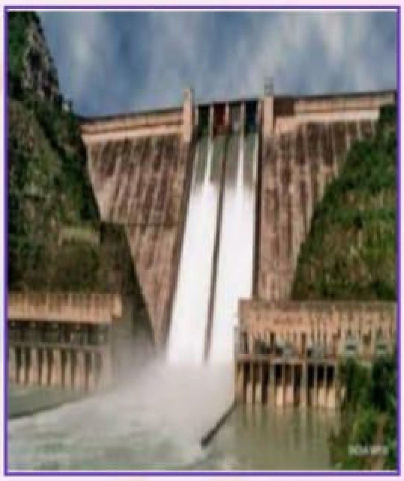

निर्मित है केरल राज्य विद्युत निगम द्वारा।
कनाडा सरकार ने भी दी है वित्तीय सहायता।।

ऊँचाई जिसकी दो हजार चार सौ फीट है।
आयतन जिसका 4500000 घन मीटर है।।

बना है स्त्रोत पानी व बिजली उत्पादन का।
मूलामट्टम का आधार बिजली क्षमता का।।

चेरूतोनी व कुलमावु बाँध हैं इसके साथी।
तीनों ने मिलकर कृत्रिम झील बना दी।।

यही है ईड्डुक्की बाँध की विशेषता।
भारत के मानचित्र में नीचे दिखता।।

रचना-
प्रियंका सक्सेना (स०अ०)
प्रा० वि० बैरमई खुर्द
अम्बियापुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

प्रमुख बाँध

22

इन्दिरा बाँध परियोजना

मध्य प्रदेश में स्थित है,
इन्दिरा सागर बाँध।
नर्मदा नगर में नर्मदा नदी पर,
सबसे सुन्दर बाँध।।

इन्दिरा बाँध परियोजना है,
एक बहुउद्देशीय परियोजना।
कहते हैं गोसिखुर्द परियोजना,
एशिया की प्रमुख जल विद्युत परियोजना।।

नींव रखी 23 अक्तूबर 1984 को,
श्रेय जाता इन्दिरा गाँधी जी को।
उत्सुक रहते सैलानी देखने को,
पानी जाता इसका गाँव-गाँव को।।

653 मी० लम्बा, 92 मी० ऊँचा बाँध बना कंक्रीट से,
जो है 61 किमी दूर खण्डवा से।
सुन्दर बाँध देखना चाहें ग़र नजदीक से,
ट्रेन पकड़ें खण्डवा या वीर से।।

रचना
स्मृति परमार (स०अ०)
प्रा० वि० मामूरगंज
कादरचौक, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

प्रमुख बाँध

23

टनकपुर बाँध

हिमालय की तलहटी का,
एक सुन्दर और छोटा सा।
शहर एक सुन्दर अनोखा सा,
नाम है टनकपुर उसका।।

पहले नेपाल की ब्रह्मदेव मंडी कही,
बाढ़ आयी और बह गया था सभी।
शारदा नदी के तट पर फिर बसा,
टनकपुर एक छोटा शहर वही।।

उत्तराखण्ड राज्य के चम्पावत जिले का,
एक अनोखा बसाया हुआ सुन्दर शहर।
शारदा नदी पर एक बाँध बना प्रखर,
जल विद्युत परियोजना से जगमग शहर।।

चहुँ ओर सड़कों का जाल है जिसके,
ख़टीमा, पीलीभीत, हल्द्वानी नगर हैं जिसके।
उत्तर में पूर्णागिरी मन्दिर, पंचमुखी महादेव मन्दिर,
दक्षिण दिशा में है कैथोडिस्ट चर्च जिसके।।

रचना- रजत कमल वार्ष्णेय
(स०अ०)
प्रा० वि० खंजनपुर
इस्लामनगर, बदायूँ

प्रमुख बाँध

24

टिहरी बाँध

उत्तराखण्ड के टिहरी शहर में,
बना हुआ है एक विशाल बाँध।
हिमालय की दो प्रमुख नदियों से,
विद्युत उत्पादन करता है यह बाँध।।

गंगा संग भीलांगना नदियों की,
सहायक बनी भागीरथी नदी।
भारत के सबसे ऊँचे बाँध को,
कहते हैं स्वामी रामतीर्थ बाँध भी।।

261 मीटर ऊँचा बना यह,
विश्व का पाँचवा सबसे ऊँचा बाँध।
दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड के,
साथ 72 गाँवों को रोशन करता बाँध।।

2400 मेगावाट की बिजली और,
टिहरी के 23 गाँवों की सिंचाई करता बाँध।
भूकम्प सम्भावित होते हुए भी,
जन-जीवन का साथ निभाता यह बाँध।।

रचना
दीपिका जैन (स०अ०)
प्रा० वि० बनगवां
सालारपुर, बदायूँ

प्रमुख बाँध

सरदार सरोवर बाँध

सरदार पटेल ने 1945 में एक पहल की,
1961 मे जवाहर लाल नेहरू ने नींव रखी।
गुजरात में नर्मदा नदी पर यह बाँध बना,
सरदार सरोवर बाँध 2017 मे पूरा हुआ।।

यह भारत का दूसरा सबसे बडा बाँध है,
इसके साथ-साथ जुड़ा बडा विवाद है।
बडी योजना के साथ आयी विस्थापन त्रासदी,
यहाँ हुए कई नर्मदा बचाओ आन्दोलन भी।।

यह बाँध पूरा होने में 56 साल लगे हैं,
इस बाँध मे कुल 56 दरवाजे हैं।
इस बाँध की ऊँचाई 138 मीटर है,
बाँध की क्षमता 47.3 क्यूबिक लीटर है।।

गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश,
यह बाँध चार राज्यों से है जुडा हुआ।
पानी तथा बिजली आपूर्ति के लिए,
बहुत ही कामयाब है यह परियोजना।।

रचना- ज्योति सागर (स०अ०)
संविलित उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

प्रमुख बाँध

26

बगलिहार बाँध

आओ बच्चों आज हम आपको,
बाँध के बारे में बतलाते हैं।
इसको हम सेतु और पानी को,
रोकने वाली मेड़ के नाम से भी जानते हैं।।

भारत के डोडा जिले में जम्मू की,
चेनाब नदी पर बना है एक बगलिहार बाँध।
इस बाँध की उचाई है 144 मीटर,
और लम्बाई इसकी है 317 मीटर।।

जलक्षमता है लगभग इसकी,
एक करोड़ पचास लाख घन मीटर।
चार सौ मेगावाट बिजली का,
भी उत्पादन होता है यहाँ पर।।

1999 में भूतपूर्व प्रधानमंत्री,
मनमोहन सिंह जी ने इसका उद्घाटन किया।
जम्मू कश्मीर की दूसरी बड़ी,
विद्युत परियोजना इसको माना गया।

रचना- रीना कुमारी (शि०सं०)
संविलित उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख बाँध

रचनाकारों की सूची

01- नैमिष शर्मा, मथुरा
02- जितेन्द्र कुमार, बागपत
03- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
04- पूनम गुप्ता, अलीगढ़
05- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
06- सुधांशु श्रीवास्तव, फतेहपुर
07- उषा देवी, फतेहपुर
08- गुलाफ्शां, फतेहपुर
09- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
10- सीमा मिश्रा, फतेहपुर
11- साधना, फतेहपुर
12- अर्चना गुप्ता, फतेहपुर
13- शिखा वर्मा, सीतापुर
14- सुमन पांडेय, फतेहपुर
15- किरन, फतेहपुर
16- आकांक्षा मिश्रा, हरदोई
17- सुनीता यादव, श्रावस्ती
18- चंचल उपाध्याय, बदायूँ
19- नीतू कुमारी, बदायूँ
20- फ़राह हारून, बदायूँ
21- प्रियंका सक्सेना, बदायूँ
22- स्मृति परमार, बदायूँ
23- रजत कमल वार्ष्णेय, बदायूँ
24- दीपिका जैन, बदायूँ
25- ज्योति सागर, बागपत
26- रीना कुमारी, बागपत

तकनीकी सहयोग
आयुषी अग्रवाल, मुरादाबाद
मार्गदर्शन:- राज कुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन:- मिशन शिक्षण संवाद